Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

BAJY-102

जन्म कुण्डली निर्माण

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी0ए0–12 / 16 / 17

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. पंक्ति किसे कहते है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

P.T.O.

Q.2. सोदाहरण सूर्य स्पष्ट करें।

Q.3. स्वकल्पित उदाहरण द्वारा भयात–भभोग का साधन कीजिये।

Q.4. पलभा किसे कहते हैं? विधिपूर्वक निरूपण करें।

Q.5. विंशोंत्तरी किसे कहते है? उदाहरण सहित उल्लेख करें।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. चालन क्यों आवश्यक हैं? प्रकाश डालें।?

P.T.O.

Q.2. सूर्यस्पष्ट विधि का उल्लेख करें।

Q.3. ग्रहस्पष्टीकरण क्यों आवश्यक है।

Q.4. भयात–भन्भोग की उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

Q.5. अयनांश विधि स्पष्ट करें? उपयोगिता का निरूपण करें।

Q.6. नतोन्नत काल ज्ञान क्या है? स्पष्ट करें।

Q.7. दशा साधन क्यों आवश्यक है? उल्लेख करें।

Q.8. योगिनी दशा साधन करते हुए अन्तर्दशा स्पष्ट करें।

****